



BACKGROUNDERS

Press Information Bureau

Government of India

नौवां राष्ट्रीय पोषण माह

एक महीने का पोषण उत्सव

08 सितंबर, 2026

राष्ट्रीय पोषण माह हर सितंबर को समुदायों को संगठित करने और गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, बच्चों, किशोरों और उनके परिवारों के बीच प्रमुख पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल करने वाले व्यवहारों को सुदृढ़ करने के लिए एक समर्पित मंच के रूप में मनाया जाता है। 9 सितंबर, 2026 को 9वां पोषण माह 2026 शुरू किया जाएगा। यह आंगनवाड़ी केंद्रों के महत्व पर जोर डालता है। यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए संतुलित, प्रोटीन युक्त पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा लगातार पोषण माह अभियानों में, देश भर में पोषण परिणामों में सुधार के व्यापक प्रयासों के साथ-साथ मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार (आईवाईसीएफ) प्रणालियों, विकास संबंधी निगरानी और स्वच्छता पर जागरूकता और सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को मजबूत किया गया है।

पृष्ठभूमि

कुपोषण भारत की सबसे प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है, जो पूरे जीवन चक्र में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, विकास, शिक्षण और उत्पादकता को प्रभावित करता है। समन्वित क्रियाकलाप के लिए, भारत सरकार ने पोषण अभियान को मार्च 2018 में एक बहु-मंत्रालयी संयोजन मिशन के रूप में पोषण अभियान शुरू किया, जिसमें पोषण को विकास के एजेंडे के केंद्र में रखा गया।

केंद्रीय बजट 2021-22 में, इन क्रियाकलापों को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित **भारत के एकीकृत राष्ट्रीय पोषण मिशन मिशन पोषण 2.0** के तहत एकीकृत किया गया था। पोषण 2.0 तीन मुख्य योजनाओं को एक ढांचे में समेकित करता है:

1. **पोषण अभियान** (प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी, जन आंदोलन जन लामबंदी और व्यवहार परिवर्तन)।

2. आंगनवाड़ी सेवाएं/एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) (पूरक पोषण, गर्म पका हुआ भोजन और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल)।
3. किशोरियों के लिए स्कीम (स्कूल न जाने वाली/किशोरियों के लिए पोषण सहायता)।

राष्ट्रीय पोषण माह, या राष्ट्रीय पोषण माह, हर सितंबर में मनाया जाता है, उन तरीकों में से एक है जिसके माध्यम से सरकार मिशन पोषण 2.0 योजना और उद्देश्यों के बारे में जागरूकता फैलाती है।

आंगनवाड़ी केंद्रों के महत्व को पहचानने के लिए 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर, 2026 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में शुरू किया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा चाइल्डकेयर नेटवर्क है, जो सबसे दूरदराज के समुदायों में भी बच्चों को आवश्यक देखभाल और सहायता प्रदान करता है। इस वर्ष का केंद्रीय विषय "हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी" है, जो प्रत्येक नागरिक से आंगनवाड़ी केंद्रों का साझा स्वामित्व लेने का आह्वान करता है।



नौवां राष्ट्रीय पोषण माह

राष्ट्रीय पोषण माह 2026, व्यापक विषय "हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" के तहत, पोषण के लिए सामूहिक स्वामित्व और जवाबदेही को मजबूत करते हुए, पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बचपन के विकास

के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को समुदाय के नेतृत्व वाली कार्रवाई के केंद्र में रखना चाहता है। इसे पारस्परिक रूप से मजबूत करने वाली पांच प्राथमिकताओं के तहत सुव्यवस्थित करने का प्रस्ताव है:

- i. पर्याप्त प्रोटीन सेवन, विविध खाद्य समूहों और स्थानीय खाद्य पदार्थों पर ध्यान देने के साथ आहार विविधता को बढ़ावा देना;
- ii. मेनू रोटेशन, स्वच्छता और गुणवत्ता आश्वासन के माध्यम से एसएनपी के तहत ताजा, विविध एचसीएम को बढ़ावा देना;
- iii. नव गठित एएमसी (23 जून 2026 को जारी दिशानिर्देश) और एसएनपी मेनू बोर्ड के प्रदर्शन के माध्यम से पोषण के लिए सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही को मजबूत करना;
- iv. प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के मूलभूत स्तंभों के रूप में संज्ञानात्मक विकास और पर्याप्त पोषण को बढ़ावा देना, एक बच्चा क्या खाता है और बच्चा कैसे सीखता है, इसके बीच अविभाज्य संबंध को उजागर करना; तथा
- v. राष्ट्रीय पोषण माह 2026 भारत के प्रमुख मातृत्व लाभ कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के 10 साल भी मनाएगा, जो स्वस्थ विकास, संज्ञानात्मक विकास और आजीवन कल्याण के लिए जीवन के पहले 1,000 दिनों के दौरान मातृ पोषण और देखभाल के महत्वपूर्ण महत्व को सुदृढ़ करते हुए मातृ पोषण का समर्थन करने, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार को बढ़ावा देने और गर्भावस्था के दौरान आय सहायता प्रदान करने में इसके योगदान पर प्रकाश डालेगा।

राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के लिए प्रस्तावित विषय

थीम 1. आहार विविधता और पर्याप्त प्रोटीन: एक विविध आहार जिसमें अनाज और बाजरा, दलहन, फल और सब्जियां, नट और बीज, और दूध और दूध उत्पाद शामिल हैं, साथ ही पौधे और पशु दोनों स्रोतों से पर्याप्त प्रोटीन पोषक तत्वों की आवश्यकताओं को पूरा करने, स्वस्थ वृद्धि और विकास का समर्थन करने और सभी प्रकार के कुपोषण को रोकने के लिए आवश्यक है। जीवन भर आहार विविधता को बढ़ावा देना, विशेष रूप से पूरक आहार अवधि के दौरान, पोषण परिणामों में सुधार और कम उम्र से ही स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देने के लिए मौलिक है।

गतिविधियों में शामिल हैं-

- **स्वस्थ और विविध रेसिपी प्रदर्शन:** आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न खाद्य समूहों, अनाज और बाजरा, दालों, सब्जियों और फलों, नट्स और बीज, दूध और दूध उत्पादों और अंडों से ली गई सस्ती, स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके स्वस्थ और विविध व्यंजनों का लाइव प्रदर्शन।
- **पोषण मेला:** हर आयु वर्ग के लिए संतुलित और विविध भोजन बनाने पर परामर्श के साथ इंटरैक्टिव डिस्प्ले और रेसिपी प्रदर्शनों के माध्यम से स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित करने वाले पोषण मेलों का आयोजन।

- **'प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ' अभियान:** पौधों और पशु स्रोतों, दालों, फलियां, नट्स और बीज, दूध और दूध उत्पादों, और अंडों से प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों पर जागरूकता गतिविधियों का संचालन करना, दैनिक आहार में प्रोटीन को जोड़ने के व्यावहारिक और किफायती तरीकों का प्रदर्शन।
- **पोषण वाटिका उपज और स्थानीय खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन:** पोषण वाटिका और स्थानीय रूप से उपलब्ध मौसमी खाद्य पदार्थों से उपज का प्रदर्शन करना, घरेलू भोजन में और छोटे बच्चों के लिए पूरक आहार में उनके नियमित उपयोग को बढ़ावा।

थीम 2. आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम): यह सुनिश्चित करना कि लाभार्थियों को लगातार ताजा, विविध और पौष्टिक गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम) मिले, आंगनवाड़ी केंद्रों पर नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करते हुए, एसएनपी की गुणवत्ता, उपयोग और प्रभावशीलता में सुधार के लिए केंद्रीय है। बाजरा, दालों और मौसमी सब्जियों सहित स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों से बने ताजे तैयार, स्वच्छ भोजन पर जोर देना, आहार विविधता के महत्व को पुष्ट करता है और घरेलू स्तर पर स्वस्थ खाने की प्रथाओं को अपनाने का समर्थन करता है। पोषण माह 2026 साप्ताहिक मेनू रोटेशन, सामुदायिक भागीदारी और मजबूत गुणवत्ता आश्वासन तंत्र के माध्यम से एचसीएम की गुणवत्ता और स्वीकार्यता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

गतिविधियों में शामिल हैं-

- **साप्ताहिक मेनू रोटेशन:** राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आंगनवाड़ी केंद्रों पर साप्ताहिक मेनू रोटेशन को संचालित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री, बाजरा, दालों और मौसमी सब्जियों का उपयोग करके सप्ताह के दिनों में विविध गर्म पके हुए भोजन (एचसीएम) मेनू सुनिश्चित किया जा सके।
- **गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम) का प्रदर्शन:** एसएनपी दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किए गए एचसीएम के लाइव प्रदर्शन, उचित सामग्री, स्वच्छ तैयारी प्रथाओं और संतुलित भोजन संरचना पर प्रकाश डाला गया।
- **मिशन-मोड गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम) गुणवत्ता परीक्षण:** खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ करने के लिए एफएसएसएआई के सहयोग से एचसीएम का राष्ट्रव्यापी परीक्षण करना।
- **सामुदायिक गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम) चखने के सत्र:** माता-पिता, पंचायतों, एसएचजी और आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों की भागीदारी के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में एचसीएम के सामुदायिक आहार के सत्र आयोजित करें।

थीम 3. सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही: 23 जून, 2026 को जारी मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों (एएमसी) का हालिया गठन, एसएनपी के भीतर सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही को मजबूत करने का एक समय पर अवसर प्रदान करता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक की अध्यक्षता में, एएमसी का उद्देश्य भागीदारी निरीक्षण को बढ़ावा देना, सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करना और

आंगनवाड़ी केंद्र में सेवा वितरण की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार करना है। पोषण माह 2026 जागरूकता सृजन, लाभार्थी जुटाने और पोषण और प्रारंभिक बचपन देखभाल सेवाओं की निगरानी में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करके इन समितियों को संचालित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम कर सकता है।

इस प्रयास को आगे बढ़ाते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों में एसएनपी मेनू बोर्ड का व्यापक प्रदर्शन और उपयोग लाभार्थी के अधिकारों और दैनिक मेनू को समुदाय के लिए दृश्यमान बनाकर पारदर्शिता बढ़ा सकता है। साथ में, एएमसी और मेनू बोर्ड पूरक पोषण, लाभार्थी पात्रता और उत्तरदायी चाइल्डकेयर प्रणालियों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए मेनू पालन, भोजन की गुणवत्ता और सेवा नियमितता की निगरानी में अधिक सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दे सकते हैं।

गतिविधियों में शामिल हैं-

- **आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों (एएमसी) का सक्रियण:** सामुदायिक भागीदारी का नेतृत्व करने, पोषण सेवा वितरण की समीक्षा करने और पोषण माह गतिविधियों का समर्थन करने के लिए सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में एएमसी को सक्रिय करना। इसके अतिरिक्त, सुनिश्चित करना कि पोषण माह के दौरान कम से कम एक एएमसी बैठक आयोजित की जाए।
- **एसएनपी मेनू बोर्ड डिस्प्ले:** राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सुनिश्चित करना ताकि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर एसएनपी मेनू बोर्ड प्रदर्शित करें ताकि दिन-वार एचसीएम/टीएचआर मेनू के बारे में लाभार्थी जागरूकता में सुधार हो सके और सेवा वितरण की पारदर्शिता और सामुदायिक निगरानी को मजबूत किया जा सके।
- **भोजन की गुणवत्ता की सामुदायिक निगरानी:** पूरक पोषण कार्यक्रम के भोजन की गुणवत्ता, मात्रा, मेनू पालन और आवधिक सामाजिक लेखा परीक्षा की निगरानी में एएमसी और माताओं की समितियों को शामिल करना।

थीम 4: बचपन के विकास के लिए पोषण और प्रारंभिक प्रयास: मुख्य सचिवों के सम्मेलन की दिशा को दर्शाते हुए कि संज्ञानात्मक विकास और पर्याप्त पोषण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए मौलिक हैं, यह विषय एक बच्चा क्या खाता है और एक बच्चा कैसे सीखता है, के बीच अविभाज्य संबंध पर प्रकाश डालता है।

पहले 1,000 दिनों के दौरान अच्छा पोषण और उत्तरदायी देखभाल मनोनुकूल मस्तिष्क विकास के लिए आवश्यक है, जबकि इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान कुपोषण संज्ञानात्मक, मोटर और सामाजिक-भावनात्मक विकास पर स्थायी प्रभाव डाल सकता है। 0-3 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 34 विकासात्मक पड़ावों के अपने संरचित पैकेज के साथ संशोधित होम विजिट शेड्यूलर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडल्यूडल्यू) को

देखभाल करने वाली परामर्श को मजबूत करने और प्रारंभिक उत्तेजना को बढ़ावा देने के लिए एक तंत्र प्रदान करता है।

गतिविधियों में शामिल हैं-

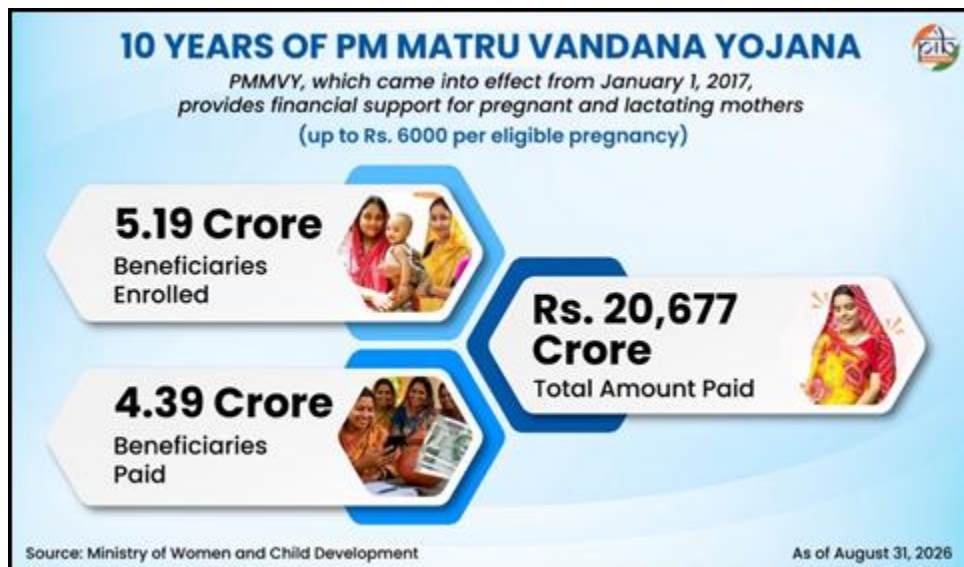
- **संशोधित होम शेड्यूलर:** पहले 1,000 दिनों और प्रारंभिक बचपन के दौरान समन्वित परामर्श और अनुवर्ती कार्रवाई में सुधार के लिए संशोधित होम विजिट शेड्यूलर के रोलआउट में तेजी लाना। नवचेतना और आधारशिला पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को बढ़ावा देना, आयु-उपयुक्त शिक्षा, विकास और स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना।
- **विकासात्मक देरी वाले बच्चों का रेफरल:** स्वास्थ्य प्रणालियों और आरबीएसके टीमों के साथ विकासात्मक देरी वाले बच्चों की पहचान और रेफरल पर रेफरल मार्गों और जन जागरूकता को बढ़ावा देना।
- **प्रारंभिक उत्तेजना पर पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता:** इष्टतम मस्तिष्क विकास और संज्ञानात्मक विकास के लिए पर्याप्त पोषण और प्रारंभिक बचपन की उत्तेजना के महत्व पर जन जागरूकता अभियान।

थीम 5: प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई): मातृ स्वास्थ्य के लिए नकद अंतरण: प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) भारत के प्रमुख मातृत्व लाभ कार्यक्रम के रूप में 10 साल पूरे कर रही है, मातृ पोषण का समर्थन करती है, स्वास्थ्य चाहने वाले व्यवहार को बढ़ावा देती है और गर्भावस्था के दौरान आय सहायता प्रदान करती है। पोषण माह 2026 सभी पात्र लाभार्थियों के बीच कवरेज का विस्तार करने, नागरिक जागरूकता को मजबूत करने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने में एक दशक की प्रगति का जश्न मनाने का अवसर प्रस्तुत करता है।

गतिविधियों में शामिल हैं-

- **शत-प्रतिशत पूर्णता अभियान:** पीएमएमवीवाई के तहत सभी पात्र गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं की पहचान करने और उन्हें पंजीकृत करने के लिए विशेष नामांकन अभियान चलाना। लंबित मामलों की समीक्षा करें और सत्यापन, अनुमोदन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में तेजी लाना। पीएमएमवीवाई डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित प्रगति समीक्षाओं की निगरानी करना।
- **नागरिक जागरूकता अभियान:** पीएमएमवीवाई पात्रता, लाभ, किशतों और आवेदन प्रक्रिया पर जागरूकता अभियान चलाना। सोशल और मास मीडिया के माध्यम से लाभार्थी प्रशंसापत्र और सफलता की कहानियों को बढ़ावा देना।

- **पीएमएमवीवाई टूलकिट का शुभारंभ:** राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा क्षेत्र कार्यान्वयन के लिए पीएमएमवीवाई टूलकिट जारी करना। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को क्षेत्रीय भाषाओं में टूलकिट सामग्री का स्थानीयकरण और प्रसार करने के लिए प्रोत्साहित करना।



सामुदायिक जुड़ाव: जन आंदोलन के रूप में पोषण

पोषण अभियान निर्धारित विशेषता पोषण सुधार को एक जन आंदोलन के रूप में स्थापित करना है, जो सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम के बजाय एक वास्तविक जन आंदोलन है।

मिशन मानता है कि शिशु आहार प्रणालियों, आहार विविधता, प्रसवपूर्व देखभाल, हाथ की स्वच्छता और संस्थागत स्वास्थ्य की मांग के आसपास स्थायी व्यवहार परिवर्तन केवल सक्रिय सामुदायिक स्वामित्व और जमीनी स्तर की भागीदारी के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। पोषण माह और पोषण पखवाड़ा सबसे बड़े पोषण केंद्रित सामुदायिक लामबंदी अभियानों में से हैं, और स्वास्थ्य, कल्याण और रोग प्रतिरक्षण को पोषित करने वाली प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए जनता तक पहुंचने के लिए निर्दिष्ट महीनों में सालाना आयोजित किए जाते हैं।

पोषण पखवाड़ा (अप्रैल 2026)

2018 से प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पोषण पखवाड़ा पोषण अभियान के तहत सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने और प्रमुख पोषण व्यवहारों को सुदृढ़ करने के लिए अप्रैल में आयोजित दो सप्ताह का गहन आउटरीच अभियान है।

2026 में 8वां पोषण पखवाड़ा 9 से 23 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से अधिक विकास छह साल की उम्र तक होता है, जिसमें सबसे तेजी से

विकास के लिए मनोनुकूल मस्तिष्क विकास, शारीरिक विकास और समग्र कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि पहले 1000 दिनों के दौरान है।

जीवन के प्रारंभिक चरण में बच्चों की देखभाल और पोषण के महत्व को स्वीकार करते हुए, 8वां पोषण पखवाड़ा वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी विषय "जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास" पर ध्यान केंद्रित करके जन आंदोलन को गहरा करने के लिए और स्वस्थ विकास और मस्तिष्क विकास का समर्थन करने वाली प्रणालियों के बारे में परिवारों और समुदायों के बीच जागरूकता को मजबूत करने के लिए है।

इसका उद्देश्य केंद्रीय विषय: **जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास** का अनुसरण करते हुए आख्यान को "स्वास्थ्य के लिए पोषण" से "मनोनुकूल मस्तिष्क विकास के लिए पोषण और प्रारंभिक बचपन देखभाल" में बदलना है।

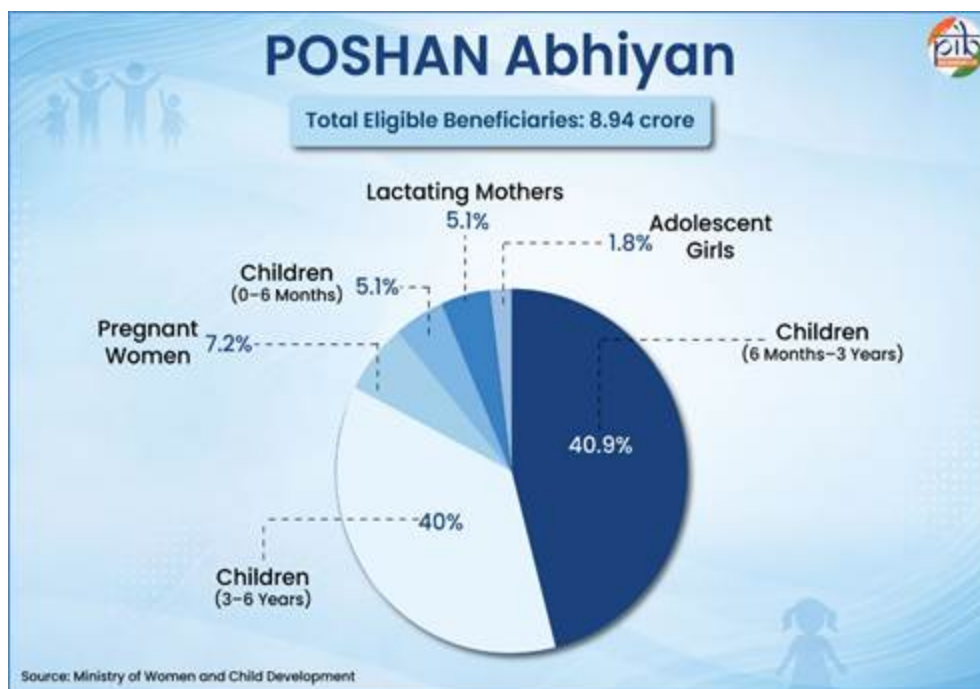
आठवां राष्ट्रीय पोषण माह

8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर, 2025 को मध्य प्रदेश के धार से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए) के साथ किया था। यह पहल संयुक्त रूप से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाती है।

2025 का राष्ट्रीय पोषण माह पोषण साक्षरता और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। प्रमुख विषयों में मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों का आहार (आईवाईसीएफ), प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) और मोटापे को दूर करने के लिए चीनी और तेल की खपत में कमी शामिल थी। 20 से अधिक मंत्रालयों के साथ मिलकर देश भर में कुल 14.33 करोड़ गतिविधियां आयोजित की गईं।

पोषण ट्रैकर: पोषण शासन के लिए एक डिजिटल मंच

1 मार्च, 2021 को लॉन्च किया गया, पोषण ट्रैकर बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण की निगरानी के लिए प्राथमिक शासन उपकरण के रूप में कार्य करता है। इस एप्लिकेशन ने आंगनवाड़ी सेवाओं के लिए लगभग तत्क्षण डेटा संग्रह की सुविधा प्रदान की है, जिसमें आंगनवाड़ी केंद्र खोलना, बच्चों की दैनिक उपस्थिति, ईसीसीई गतिविधियां और विकास निगरानी शामिल हैं। वर्तमान में, यह प्रणाली एक ब्रह्मांड की निगरानी करती है जिसमें गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, 6 वर्ष तक की उम्र के बच्चे और किशोरियां शामिल हैं।



31 जुलाई, 2026 तक, भारत का पोषण बुनियादी ढांचा लगभग 13.99 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों तक फैला हुआ है, जिसमें 13.30 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कार्यरत हैं, जो लगभग 8.94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचने वाला एक विशाल जमीनी नेटवर्क है।

6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चों में से 7.2 करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं, जो प्रारंभिक बचपन के पोषण और विकास पर जोर देने दिए जाने की पुष्टि करते हैं।

इस बीच, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की कुल संख्या लगभग 1.1 करोड़ है, जो पहले 1,000 दिनों के दौरान मातृ स्वास्थ्य पर निरंतर ध्यान को दर्शाती है।

स्वस्थ परिवारों और राष्ट्र की ओर

बड़े पैमाने पर सामुदायिक लामबंदी (जन आंदोलन) के साथ प्रौद्योगिकी-संचालित तत्क्षण ट्रेकिंग को जोड़कर, **राष्ट्रीय पोषण माह** ने पोषण को एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल दिया है। **मिशन पोषण 2.0** के एकीकृत ढांचे के तहत काम करते हुए, यह वार्षिक अभियान सेवा-वितरण संबंधी कमी को दूर करने, आहार विविधता को बढ़ावा देने और एक स्वस्थ, कुपोषण-मुक्त भारत बनाने के लिए बच्चों के महत्वपूर्ण प्रारंभिक वर्षों को निरंतर प्राथमिकता देता है।

संदर्भ

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

<https://www.pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1910097®=48&lang=2>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2180384®=48&lang=2>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2249920®=48&lang=2>

<https://www.poshantracker.in/aboutus>

<https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2307291®=48&lang=1>

https://cdn.poshantracker.in/public-assets/pdf/Resources/Awareness/Navchetana/Navchetana_en.pdf

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

[https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20\(NFHS-6\)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf](https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/assets/National%20Family%20Health%20Survey%20(NFHS-6)%202023-2024%20Fact%20Sheets.pdf)

<https://www.nfhsiips.in/nfhsuser/publication.php>

पीआईबी बैकग्राउंडर

<https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2025/sep/doc2025918640501.pdf>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2251769®=3&lang=1>

यूनिसेफ

<https://www.unicef.org/laos/ensuring-healthy-start-first-1000-days-0>

पीआईबी शोध

पीके/केसी/एसकेएस/एसके